अर्जुन तेंदुलकर को लेकर IPL 2026 से पहले विवाद

Page-04

भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'भूत बंगला' में आखिरी बार दिखेंगे असरानी

Page-05

मुख्यमंत्रियों के साथ कल हाई लेवल मीटिंग

ईरान युद्ध संकट पर पीएम मोदी एक्शन मोड में

- देशभर की सुरक्षा और तैयारी पर होगी चर्चा
- विदेशों में भारतीयों की सुरक्षा पर फोकस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। इसमें ईरान जंग के बाद बिगड़े हालात पर चर्चा संभव है। चुनावी राज्यों के सीएम इसमें शामिल नहीं होंगे। मोदी ने 24 मार्च को राज्यसभा में कहा था कि ईरान जंग जारी रही तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। आने वाला समय कोरोनाकाल जैसी परीक्षा वाला होगा। केंद्र और राज्य को मिलकर काम करना होगा। वहीं, सरकार ने आज देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कमी की खबरों को खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि दुनिया में कुछ भी हो जाए, भारत के पास 60 दिन का पेट्रोल, डीजल है। सरकार ने सोशल मीडिया पर चल रही किल्लत की खबरों को प्रोपेगैंडा बताया है, जिसका मकसद बाजार में 'पैनिक बाइंग' शुरू कराना है। मंत्रालय ने कहा कि शॉर्टेज की अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक में कहा कि भारत पाकिस्तान जैसा दलाल देश नहीं है और हम किसी के लिए भी मध्यस्थता नहीं करते। उन्होंने यह जवाब कांग्रेस नेता तारिक अनवर के बयान पर दिया। बैठक में तारिक अनवर ने कहा था कि पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, भारत मूकदर्शक बना हुआ है। पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर मंगलवार को राज्यसभा में कहा था कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे।

आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने लोकसबा में पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा था कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है।

पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होर्मुज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा। LPG संकट घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड शुरू किया गया (यानी एक सिलेंडर मिलने के 21 दिन बाद ही दूसरा बुक होगा)। डिमांड बढ़ने पर शहरों में लॉक-इन पीरियड बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया। ग्रामीण इलाकों के लिए सिलेंडर बुकिंग का गैप बढ़ाकर 45 दिन किया गया। पेट्रोलियम मंत्रालय ने PNG (पाइप गैस) यूजर्स के लिए LPG सिलेंडर रखना गैर-कानूनी घोषित किया। अब PNG कनेक्शन वालों को अपना सिलेंडर सरेंडर करना होगा और वे रिफिलिंग नहीं करा पाएंगे। ईरान जंग के चलते तेल-गैस की सप्लाई प्रभावित ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका की जंग का आज 27वां दिन है। जंग के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल और गैस सप्लाई की सप्लाई प्रभावित है। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% LNG इसी रास्ते से मंगाता है। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का मास्टरस्ट्रोक! भारत-रूस को हरी झंडी, अमेरिका-इजरायल का रास्ता रोका

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को भारत सहित मित्र देशों के लिए खुला रखने की पुष्टि की है, जबकि अमेरिका और इजराइल पर प्रतिबंध लगा दिया है। तेहरान ने अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है, जिससे वैश्विक तेल व्यापार मार्ग पर संघर्ष का प्रभाव गहरा गया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि तेहरान ने भारत सहित 'मित्र देशों' के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। भारत के अलावा, रूस, चीन, पाकिस्तान और इराक के जहाजों को भी संघर्षग्रस्त समुद्री मार्ग से सुरक्षित मार्ग प्रदान किया गया है। ईरानी सरकारी टेलीविजन को दिए एक साक्षात्कार में, अराघची ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल और गैस व्यापार के लगभग पांचवें हिस्से को संभालता है, को पूरी तरह से बंद नहीं किया गया है, क्योंकि ईरान के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने वाले कई देशों के जहाजों को वहां से गुजरने की अनुमति दी गई है।

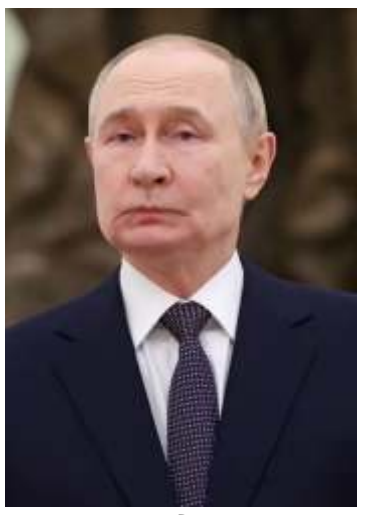

'कोरोना जैसे बन रहे हालात', पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिम एशिया युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इसके असर का अनुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन यह कोरोना महामारी जैसा बड़ा संकट बन सकता है। युद्ध से वैश्विक सप्लाई चेन, उत्पादन और व्यापार प्रभावित हो रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के असर का अंदाजा लगाना अभी मुश्किल है, लेकिन इसके परिणाम कोरोना महामारी जैसे हो सकते हैं। पुतिन ने साफ कहा कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सप्लाई सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है। पुतिन ने मॉस्को में बिजनेस लीडर्स से बातचीत के दौरान कहा कि अभी तक इस संघर्ष के परिणामों का सही अनुमान लगाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो देश इस युद्ध में शामिल हैं, वे खुद भी इसके भविष्य को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में बाकी दुनिया के लिए स्थिति और ज्यादा अनिश्चित हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ आकलनों में इस संकट की तुलना कोरोना महामारी से की जा रही है।

'शौर्य पथ' के तहत भारतीय सेना की नई ताकत

हम आपको बता दें कि शौर्य स्क्वॉड्रन असल में ड्रोन आधारित विशेष इकाइयां हैं, जिन्हें सीधे टैंक रेजीमेंट के साथ जोड़ा जा रहा है। हर स्क्वाड्रन में बीस से पच्चीस प्रशिक्षित सैनिक होते हैं, जो निगरानी ड्रोन, आक्रमण ड्रोन, झुंड ड्रोन, प्रथम दृश्य ड्रोन और मंडराते हथियारों का संचालन करते हैं। भारत की रणभूमि अब बदल चुकी है और इस बदलाव का नाम है शौर्य स्क्वॉड्रन। हम आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में बाबीना फील्ड फायरिंग रेंज में झांसी के पास हुए तेरह दिन के भीषण सैन्य अभ्यास ने यह साफ कर दिया कि भारतीय सेना अब सिर्फ ताकत से नहीं, बल्कि तकनीक, गति और सटीकता से युद्ध जीतने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है। यह अभ्यास आने वाले युद्धों की झलक था। 31 बख्तरबंद डिवीजन के नेतृत्व में हुए इस अभ्यास में शौर्य स्क्वॉड्रनों ने जिस तरह से अपनी क्षमता दिखाई, उसने दुश्मनों के लिए साफ संदेश दे दिया है कि अब भारत की टैंक शक्ति पहले से कहीं ज्यादा घातक और अचूक हो चुकी है। हम आपको बता दें कि शौर्य स्क्वॉड्रन असल में ड्रोन आधारित विशेष इकाइयां हैं, जिन्हें

सीधे टैंक रेजीमेंट के साथ जोड़ा जा रहा है। हर स्क्वॉड्रन में बीस से पच्चीस प्रशिक्षित सैनिक होते हैं, जो निगरानी ड्रोन, आक्रमण ड्रोन, झुंड ड्रोन, प्रथम दृश्य ड्रोन और मंडराते हथियारों का संचालन करते हैं। पहले जहां टैंक केवल अपनी नजर की सीमा तक ही देख पाते थे, अब शौर्य स्क्वॉड्रन उन्हें दुश्मन के इलाके में गहराई तक देखने और वार करने की ताकत दे रहे हैं। यह बदलाव साधारण नहीं, बल्कि युद्ध की परिभाषा बदल देने वाला है। हम आपको बता दें कि भारतीय सेना ने इस अवधारणा को इस तरह विकसित किया है कि अब युद्ध केवल जमीन पर नहीं, बल्कि आकाश और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में भी एक साथ लड़ा जाएगा। शौर्य स्क्वॉड्रन का मुख्य लक्ष्य है सेंसर से वार तक के समय को न्यूनतम करना, यानी दुश्मन दिखते ही तत्काल उसे खत्म करना। यह वही रणनीति है जो आधुनिक युद्ध की रीढ़ बन चुकी है। दुश्मन के पास प्रतिक्रिया का समय ही नहीं बचेगा। यह सीधा, तेज और निर्णायक युद्ध मॉडल है।

12 डबल हेडर, 13 वेन्यू और 70 मैच IPL शेड्यूल में क्या खास है?

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के दूसरे फेज का शेड्यूल 26 मार्च (गुरुवार) को जारी कर दिया गया. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाड और असम में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के चलते पहले 20 ही मैचों का शेड्यूल जारी किया था. अब बाकी लीग मैचों का शेड्यूल जारी हो चुका है. आईपीएल की शुरूआत 28 मार्च 2026 से होगी, जबकि फाइनल 31 मई को खेला जाना प्रस्तावित है. इस सीजन में भी 10 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 70 लीग मुकाबले खेले जाएंगे, जो देश के 13 अलग-अलग वेन्यू पर आयोजित होंगे. सभी 10 टीमें लीग स्टेज में 14-14 मुकाबले खेलेंगी. टॉप-चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी. चार प्लेऑफ मैचों के लिए बीसीसीआई शेड्यूल और वेन्यू की जानकारी बाद में देगा. आईपीएल 2026 के

लीग मुकाबले बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर, न्यू चंडीगढ़ (मुल्लांपुर) और गुवाहाटी में खेले जाएंगे. आईपीएल 2026 का पहला फेज 28 मार्च से लेकर 12 अप्रैल तक चलेगा. फिर दूसरा फेज 13 अप्रैल से शुरू होगा और 24 मई तक जारी रहेग. पहले फेज में 20 और दूसरे फेज में 50 मुकाबले खेले जाएंगे. आईपीएल 2026 का पूरा शेड्यूल सामने आने के बाद साफ है कि इस बार फैन्स को और ज्यादा रोमांच देखने को मिलेगा. जैसे-जैसे मुकाबले बीतेंगे, टूर्नामेंट का रोमांच चरम पर पहुंचने की उम्मीद है.

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

अबू धाबी में मिसाइल मलबा गिरने से भारतीय नागरिक की मौत

अबू धाबी में एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोकने के बाद उसके मलबे की चपेट में आने से एक भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य भारतीय समेत तीन लोग घायल हो गए। यह घटना पश्चिम एशिया में ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हुई है, जिससे क्षेत्र में प्रवासी कामगारों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को अबू धाबी की एक सड़क पर मिसाइल का मलबा गिरने से कम से कम दो लोग मारे गए, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है, और तीन अन्य घायल हो गए। संयुक्त अरब अमीरात का रक्षा मंत्रालय ईरान से लगातार हो रहे हवाई हमलों का जवाब दे रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष में भारतीय नागरिकों की मौत का आंकड़ा अब बढ़कर कम से कम सात हो गया है। अबू धाबी मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह घटना स्वेहान स्ट्रीट के ऊपर हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा एक बैलिस्टिक मिसाइल को सफलतापूर्वक रोके जाने के बाद हुई। गिरे हुए मलबे के कारण पाकिस्तानी और भारतीय नागरिकता वाले दो व्यक्तियों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए, जिनमें एक अमीराती, एक जॉर्डनियन और एक भारतीय नागरिक शामिल हैं। उनकी हालत गंभीर से मध्यम है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं और स्थिति के बारे में आगे की जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों ने जनता से केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करने और अपुष्ट जानकारी फैलाने से बचने का आग्रह किया है। वहीं, सऊदी अरब के रियाद में संदिग्ध मिसाइल हमले में मारे गए उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय युवक के परिवार ने प्रशासन से मुआवजे और उसकी पत्नी को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की थी। रवि गोपाल नामक युवक का शव विदेश मंत्रालय की मदद और जिला प्रशासन के सहयोग से बुधवार को सऊदी अरब से सीतापुर स्थित उनके पैतृक गांव बघैन लाया गया था। बाद में शाम को उनका अंतिम संस्कार किया गया। गांव के बड़ी संख्या में लोग गोपाल को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

एलपीजी संकट पर अखिलेश यादव का बीजेपी पर तंज, 'एक कचौरी, एक समोसा... अब गैस पर नहीं भरोसा'

समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की कमी की खबरों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों ने नागरिकों, विशेषकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों पर बोझ डाला है और उन्हें कठिनाइयों में धकेल दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कतारों के सिवा कुछ नहीं दिया। उनका जो भी फैसला होता है, उससे मैं, आप और हर कोई एक कतार में खड़ा हो जाता है। लेकिन इस बार जनता ने भी ठान लिया है कि कतार में खड़े होकर ही वे उन्हें हराएंगे। और इसीलिए वे सार्वजनिक स्थानों पर स्नेह प्रदर्शन से डर रहे हैं। वे उनके अपमान को कैसे समझेंगे? वे उनकी परेशानियों को कैसे समझेंगे? पीड़ा जितनी बढ़ेगी, पीडीए उतना ही बढ़ता रहेगा।

हमले के बाद ईरान का गुस्सा चरम पर
IRGC नेवी कमांडर अलीरेज़ा तांगसिरी की मौत से ईरान में उबाल

अलीरेजा तंगसीरी की मौत सिर्फ एक सैन्य घटना नहीं है, यह सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर वार है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र पर नियंत्रण की लड़ाई अब खुलकर सामने आ चुकी है। पश्चिम एशिया की जंग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है और हालात हर गुजरते घंटे के साथ और ज्यादा विस्फोटक बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि बंदर अब्बास में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी की लक्षित हमले में मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। यह वही शख्स था जिसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की रणनीति तैयार की थी, जो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धुरी माना जाता है। तंगसीरी की मौत सिर्फ एक सैन्य घटना नहीं है, यह सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर वार है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र पर नियंत्रण की लड़ाई अब खुलकर सामने आ चुकी है। हम आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों में तंगसीरी लगातार अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाने की धमकी दे रहा था, जिससे साफ था कि ईरान टकराव को चरम पर ले जाने की तैयारी में था। इसी बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने सौ मिसाइलें दागीं, जिन्हें पूरी तरह हवा में ही मार गिराया गया। यह बयान जहां अमेरिकी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन है, वहीं यह संकेत भी देता है कि युद्ध अब तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ बन चुका है। ट्रंप का यह भी कहना है कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन डर के कारण खुलकर सामने नहीं आ पा रहा।

दूसरी ओर, खारग द्वीप पर ईरान की सैन्य गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। यह द्वीप ईरान के लगभग नब्बे प्रतिशत तेल निर्यात का केंद्र है। यहां अतिरिक्त वायु रक्षा प्रणाली और सैनिक तैनाती इस बात का संकेत है कि ईरान संभावित अमेरिकी हमले के लिए खुद को किले में बदल रहा है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि इस क्षेत्र पर हमला किसी भी पक्ष के लिए भारी नुकसान का सौदा साबित हो सकता है। इस बीच, खाड़ी सहयोग परिषद ने साफ शब्दों में कहा है कि ईरान ने सारी लाल रेखाएं पार कर दी हैं। परिषद ने कहा है कि सऊदी अरब और कुवैत की रिफाइनरियों पर हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला है। परिषद का कहना है कि यह सिर्फ क्षेत्रीय तनाव नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। परिषद ने चेतावनी दी है कि यह संकट अब अंतरराष्ट्रीय बन गया है। दिलचस्प बात यह है कि खाड़ी देश सीधे युद्ध में उतरने से बच रहे हैं और कूटनीतिक समाधान की बात कर रहे हैं। पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान ने तो यहां तक दावा किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच पंद्रह सूत्रीय प्रस्ताव पर बातचीत चल रही है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गोलाबारी के बीच कूटनीति अक्सर दम तोड़ देती है।

MUDA जमीन मामले में फिर खुली फाइल

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) भूमि आवंटन मामले में लोकायुक्त की 'बी' रिपोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य को नोटिस जारी किया है। इस मामले में आरोप है कि सिद्धारमैया की पत्नी को मुआवजे के तौर पर उनकी अधिग्रहित जमीन से अधिक मूल्य की भूमि आवंटित की गई थी, जिसे लोकायुक्त पुलिस ने सबूतों के अभाव में बंद कर दिया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार, 26 मार्च को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनकी पत्नी को नोटिस जारी किया। यह नोटिस जन प्रतिनिधि सभा की विशेष अदालत द्वारा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले के मामले में 'बी' रिपोर्ट स्वीकार करने की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका के संबंध में जारी किया गया है। न्यायमूर्ति एस सुनील दत्त यादव की एकल पीठ ने मैसूर लोकायुक्त, प्रवर्तन निदेशालय के पुलिस अधीक्षक, सिद्धारमैया के बहनोई मैदुना मल्लिकार्जुन स्वामी, एमयूडीए के पूर्व आयुक्त जीटी दिनेश कुमार और मामले में विवादित भूमि के मालिक जे देवराजू को भी नोटिस जारी किया। लोकायुक्त पुलिस ने पहले 'सबूतों की कमी' का हवाला देते हुए सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ 'बी' रिपोर्ट दाखिल की थी। शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने इस रिपोर्ट को चुनौती दी है। 28 जनवरी को निचली अदालत ने कथित घोटाले में कर्नाटक लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक द्वारा दाखिल की गई 'बी' रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। लोकायुक्त पुलिस द्वारा दायर 'बी-रिपोर्ट' को चुनौती देने वाली कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एस. सुनील दत्त यादव ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया। एमयूडीए मामले में, आरोप है कि सिद्धरमैया की पत्नी को मैसूरु के एक पॉश इलाके में मुआवजे के तौर पर जमीन आवंटित की गई थी, जिसका मूल्य प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित उनकी जमीन से अधिक है।

एडीआर रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा बीजेपी को मिला रिकॉर्ड स्तर का चंदा

एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में बीजेपी को रिकॉर्ड 6,074 करोड़ रुपये का चंदा मिला, जो कांग्रेस समेत अन्य सभी राष्ट्रीय दलों के कुल चंदे से 10 गुना अधिक है। इस रिपोर्ट में राजनीतिक फंडिंग में कॉर्पोरेट चंदे का प्रभुत्व उजागर हुआ है, जिसका कुल दान में 92% से अधिक का योगदान है। राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 2024-25 में 161 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सत्तारूढ़ भाजपा को सबसे अधिक चंदा मिला है, जो अन्य सभी राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक है। वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित 20,000 रुपये से अधिक के कुल चंदे 11,343 प्राप्त चंदों से 6,648.563 करोड़ रुपये रहे। इनमें से भाजपा को अकेले 5,522 चंदों से 6,074.015 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 2,501 चंदों से 517.394 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। रिपोर्ट में बताया गया है कि भाजपा

द्वारा घोषित चंदा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सिस्ट (सीपीआई-एम) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीईपी) के उसी अवधि के कुल चंदे से दस गुना से भी अधिक था। इस बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने घोषणा की कि उसे पिछले 19 वर्षों की तरह इस बार भी 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा नहीं मिला है। राष्ट्रीय दलों को मिलने वाले कुल चंदे में 2023-24 की तुलना में 2024-25 में 4,104.285 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। अकेले भाजपा के चंदे में पिछले वित्त वर्ष के 2,243.947 करोड़ रुपये से 171 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2023-24 के 281.48 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 517.394 करोड़ रुपये हो गया।

संपादक की कलम से

सुप्रीम कोर्ट का फैसला: संतुलन और समावेश की दिशा में कदम

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया फैसला भारतीय समाज और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। यह निर्णय न केवल कानून की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और समावेशिता की दिशा में भी एक सशक्त पहल के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से देश में आरक्षण, प्रतिनिधित्व और सामाजिक संतुलन को लेकर बहस चलती रही है, और इस फैसले ने इन सभी मुद्दों को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस बात पर जोर देता है कि समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से अनुसूचित जाति और जनजाति जैसे वंचित वर्गों के अधिकारों को सुनिश्चित करना लोकतंत्र की मूल भावना का हिस्सा है। यह फैसला इस विचार को मजबूत करता है कि केवल नीतियां बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका सही और न्यायपूर्ण क्रियान्वयन भी आवश्यक है।

इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें संतुलन और समावेश दोनों को प्राथमिकता दी गई है। जहां एक ओर वंचित वर्गों को उनका हक दिलाने की कोशिश की गई है, वहीं दूसरी ओर यह भी ध्यान रखा गया है कि समाज के अन्य वर्गों के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत बनाता है और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में सहायक होता है। राजनीतिक दृष्टिकोण से भी यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल इस निर्णय को अपने-अपने नजरिए से देख रहे हैं और इसके आधार पर अपनी रणनीतियां तय कर रहे हैं। आने वाले चुनावों में इस फैसले का प्रभाव साफ तौर पर देखा जा सकता है, क्योंकि सामाजिक न्याय और आरक्षण जैसे मुद्दे हमेशा से ही राजनीति के केंद्र में रहे हैं। सामाजिक स्तर पर यह निर्णय एक सकारात्मक संदेश देता है कि देश की न्यायपालिका न केवल कानून का पालन कर रही है, बल्कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के हितों की भी रक्षा कर रही है। इससे आम जनता में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और भी मजबूत होता है। साथ ही, यह फैसला समाज में समानता और भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा देता है। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला एक संतुलित और समावेशी समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करता है। यदि इसे सही भावना और निष्ठा के साथ लागू किया जाए, तो यह निर्णय भारत को एक अधिक न्यायपूर्ण, समान और समावेशी राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुनेश शुक्ला
संपादक

बंगाल में बीजेपी का नया चेहरा:

'योगी मॉडल' की झलक

संयासी का भगवा वस्त्र, हिंदू अस्मिता की बातें, मुस्लिम तुष्टीकरण के खिलाफ सीधी आवाज और राजनीति में कदम रखकर हिंदुओं की रक्षा का वादा। जब हम भारतीय राजनीति में भगवा और सत्ता के मिलन की बातें करते हैं तो सबसे पहला नाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आता है। कारण सीधा सा है कि एक संयासी और मठ के प्रमुख से लेकर देश के सबसे बड़े सूबे के मुख्यमंत्री तक का सफर तय करके भारतीय राजनीति में हिंदुत्व की एक नई परिभाषा लिखी। अब ठीक वैसा ही प्रयोग भाजपा पश्चिम बंगाल के चुनावी समर में कर रही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐसा नाम उभर रहा है जो योगी आदित्यनाथ की याद दिलाता है। ये नाम उत्पल महाराज का है। मूल नाम स्वामी ज्योतिर्मयानंद। वह भारत के सेवा आश्रम संघ के प्रमुख चेहरे रहे हैं। लेकिन अब उन्होंने संघ से निष्कासित होने के बाद भाजपा की टिकट स्वीकार कर ली है और वह उत्तर दिनाजपुर जिले की कालियागंज सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। यह कोई छोटा फैसला नहीं है। भाजपा ने जानबूझकर इस चेहरे को चुना है। उत्पल महाराज को टिकट देने का मुख्य कारण उनकी हिंदूवादी छवि और संगठनात्मक अनुभव है। वे भारत सेवाश्रम संघ के माध्यम से लंबे समय से लोगों की सेवा कर रहे थे। जिससे उनके स्थानीय स्तर पर जबरदस्त पकड़ है। भाजपा को उम्मीद है कि उत्पल महाराज के आने से ना केवल कालियागंज बल्कि आसपास की सीटों पर भी हिंदू मतदाताओं का भी भाजपा की ओर झुकाव होगा। अब जब भाजपा ने एक हिंदुत्ववादी नेता को टिकट दे ही दिया है तो सवाल उमड़ना लाजमी है कि क्या उत्पल महाराज बंगाल में पार्टी की हिंदुत्ववादी छवि के प्रमुख नेता बन सकते हैं? जैसे उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ माने जाते हैं। तो इस सवाल का जवाब उत्पल महाराज के बयानों और भाजपा की रणनीति में मिलता है। जिस तरह से वे ममता बनर्जी सरकार पर हिंदुओं को हाशिए पर धकेलने का आरोप लगाते हैं उससे साफ है कि भाजपा उन्हें बंगाल में अपने सबसे बड़े हिंदूवादी चेहरे में से एक के रूप में पेश करना चाहती है। हालांकि, बीते दिनों जारी एक आंतरिक पत्र में संघ ने राजनीति में उतरने के कारण उन्हें संघ से निष्कासित करने की घोषणा की।

उत्पल महाराज ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि उन्होंने संघ के अधिकारियों को चुनाव लड़ने के अपने निर्णय के बारे में सूचित कर दिया था, लेकिन जब वे सहमत नहीं हुए, तो उन्होंने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के एक दिन बाद, 17 मार्च को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। आपको शायद पता होगा कि स्वामी ज्योतिर्मयानंद राजनीति के जाल में फंस गए हैं, आश्रम छोड़कर एक राजनीतिक दल में शामिल हो गए हैं। यह खबर मिलते ही संघ के

> पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐसा नाम उभर रहा है जो योगी आदित्यनाथ की याद दिलाता है। ये नाम उत्पल महाराज का है। मूल नाम स्वामी ज्योतिर्मयानंद। वह भारत के सेवा आश्रम संघ के प्रमुख चेहरे रहे हैं। लेकिन अब उन्होंने संघ से निष्कासित होने के बाद भाजपा की टिकट स्वीकार कर ली है और वह उत्तर दिनाजपुर जिले की कालियागंज सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। यह कोई छोटा फैसला नहीं है।

अधिकारियों ने मुख्यालय में शासी निकाय की आपातकालीन बैठक बुलाई और उन्हें निष्कासित करने का निर्णय लिया। भारत सेवाश्रम संघ पूरी तरह से गैर-राजनीतिक, सामाजिक सेवा और धार्मिक संगठन है। संघ के महासचिव स्वामी विश्वात्मानंद ने पत्र में लिखा किसी भी परिस्थिति में संघ का कोई संन्यासी, ब्रह्मचारी या आश्रम निवासी किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल नहीं हो सकता। उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक दल के प्रभाव या प्रलोभन में आ जाता है, तो उसका धार्मिक जीवन पूरी तरह नष्ट हो जाता है। यह उसे त्याग के गौरव से विमुख कर देता है और सांसारिक सुखों की लत में डुबो देता है... जबकि हमें संसार के कल्याण के लिए काम करना चाहिए, सांसारिक ऐश्वर्य की ओर लौटने के लिए अपनी अंतरात्मा और वैराग्य का त्याग करना कभी भी उचित नहीं है। दक्षिण दिनाजपुर जिले के बलुरघाट में जन्मे उत्पल महाराज ने बताया कि वे 2000 में इस संगठन में शामिल हुए और चार साल बाद स्थानीय कॉलेज से इतिहास में स्नातक की डिग्री पूरी की। उन्होंने कहा कि मैं बचपन से ही संन्यासी जीवन से बहुत प्रभावित था, क्योंकि मैंने आश्रम के छात्रावास में रहकर पढ़ाई की। तभी मैंने संन्यासी बनने का फैसला किया था। 1917 में स्थापित यह संघ राजनीति से दूर रहता है और परोपकारी कार्यों तथा आपदा राहत कार्यों में संलग्न रहता है, साथ ही यह देश भर में हिंदू मिलन मंदिरों का एक नेटवर्क भी संचालित करता है। उत्पल महाराज का दावा है कि इनका उद्देश्य हिंदुओं को एकजुट करना है। हिंदुओं की सेवा करते हुए मैंने महसूस किया कि राजनीति के कारण यह समुदाय खतरे में है। एक विशेष समुदाय को खुश करने की कोशिशों के कारण हिंदू पीड़ित हैं। आजकल रथ यात्रा या राम नवमी के अवसर पर पूजा-अर्चना करने के लिए भी हिंदुओं को पुलिस की विशेष अनुमति लेनी पड़ती है। हिंदुओं की समस्याओं का समाधान किसी आध्यात्मिक संगठन के माध्यम से नहीं किया जा सकता। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर और वरिष्ठ टीएमसी नेता फिरहाद हकीम की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उत्पल महाराज ने कहा कि मंदिरों में प्रार्थना करने का समय समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि भले ही संघ ने उन्हें निष्कासित कर दिया हो, लेकिन वे इसे हमेशा अपने दिल और दिमाग में रखेंगे और संगठन के संन्यासियों के साथ संपर्क में रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं कालियागंज में रहता हूँ और इस इलाके की हर गली से वाकिफ हूँ। मैं यहाँ के लोगों को जानता हूँ और उनकी भावनाओं को समझता हूँ। वे कह रहे हैं कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं उम्मीदवार बनूँगा। एक भिक्षु होने के नाते मेरा अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं है, लेकिन मैं एक भिक्षु के रूप में ही अपना जीवन व्यतीत करता रहूँगा।

'सुप्रीम आदेश' ने धर्म और जाति की बहस को फिर किया केंद्र में

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर

अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं। इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है। जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है।

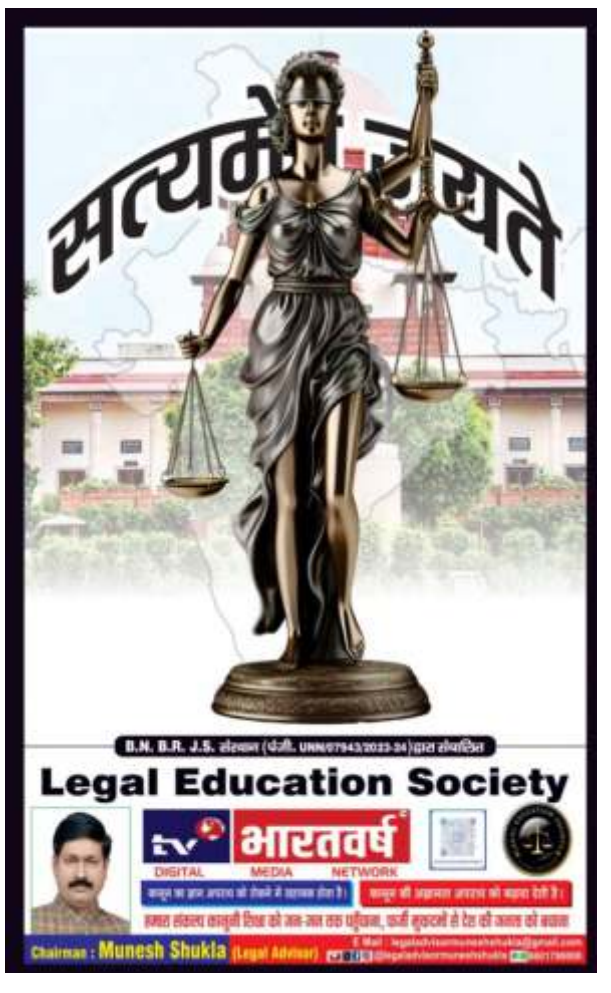

QS रैंकिंग 2026:

भारत के 4 विश्वविद्यालय टॉप 50 में

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 के अनुसार, चार भारतीय विश्वविद्यालयों ने दुनिया के टॉप 50 में स्थान बनाया है। इनमें आईआईटी और जेएनयू समेत चार भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं। वहीं, इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (I S M) यूनिवर्सिटी, धनबाद को मिनरल और माइनिंग इंजीनियरिंग स्टडीज में विश्व स्तर पर 21वां स्थान हासिल हुआ है। यह रैंकिंग भारत की तकनीकी और मैनेजमेंट शिक्षा में बढ़ती वैश्विक पहचान को दर्शाती है। विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए प्रसिद्ध लंदन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाय सब्जेक्ट का 16वां वार्षिक संस्करण प्रकाशित किया है। यह रैंकिंग 100 से अधिक देशों के 1,900 विश्वविद्यालयों में 21,000 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन करती है, जिसमें 55 विषय और पांच व्यापक संकाय क्षेत्र शामिल हैं। QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 के अनुसार, भारत ने विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में कुल 27 स्थान हासिल किए हैं। यह पिछले साल 2024 में मिले 12 स्थानों से दोगुने से भी अधिक है और ये स्थान 12 अलग-अलग संस्थानों ने प्राप्त किए हैं। मुख्य संस्थानों में इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (I S M) यूनिवर्सिटी, धनबाद शामिल है, जिसे खनिज और खनन इंजीनियरिंग में वैश्विक स्तर पर 21वां स्थान मिला है। वहीं, आईआईएम अहमदाबाद को व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन और विपणन दोनों में 21वां स्थान प्राप्त हुआ है। विशेष रूप से विपणन के क्षेत्र में यह भारत का पहला स्थान है, क्योंकि इससे पहले भारत कभी भी विपणन की वैश्विक रैंकिंग में शामिल नहीं हुआ था। इसके अलावा, शीर्ष 50 में आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी मद्रास और जेएनयू भी शामिल हैं।

सिर्फ तीन महीने चल लें दस हज़ार कदम मिलेंगे कई फायदे

आजकल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हर कोई फिट रहना चाहता है, लेकिन स्ट्रिक्ट डाइट और जिम का समय निकाल पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में एक सरल और प्रभावी तरीका है रोज़ाना 10,000 कदम चलना। यह न सिर्फ वजन कम करने में मदद करता है, बल्कि स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। चलिए जानते हैं अगर आप तीन महीने तक रोजाना दस हज़ार कदम चलते हैं तो सेहत को कौन से फायदे मिल सकते हैं? जब आप तीन महीने तक रोज़ 10,000 कदम चलते हैं, तो शरीर एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न करता है। एक सामान्य व्यक्ति इस दौरान लगभग 300 से 500 कैलोरी तक खर्च कर सकता है। अगर यह आदत लगातार तीन महीने तक बनाए रखी जाए, तो शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट धीरे-धीरे कम होने लगता है और वजन कम होता है। रोजाना तीन महीने तक वॉक कर के आप आराम से 4 से 6 किलो वजन कम कर सकते हैं। हालांकि, अगर आप सिर्फ वॉक कर रहे हैं और रोजाना बाहर का खाना खा रहे हैं तो वजन कम करना मुश्किल हो सकता है। इसलिए हल्का-फुल्का बैलेंस्ड डाइट अपनाना वजन कम करने में बेहद प्रभावकारी होता है। अगर आप रोजाना वॉक कर रहे हैं तो कोई सख्त डाइट फॉलो करने की जरूरत नहीं है बस खाने की मात्रा और गुणवत्ता पर थोड़ा ध्यान देना काफी है। रोज़ 10,000 कदम चलने के कई अन्य फायदे भी हैं। यह दिल की सेहत को बेहतर बनाता है, ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करता है, और मानसिक तनाव को कम करता है। इसके अलावा, इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं, स्टैमिना बढ़ता है और नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

रोहित – कोहली फैंस के लिए खुशखबरी

टीम इंडिया होम 9 वनडे मैच खेलेगी

PSL प्रेस कॉन्फ्रेंस में भड़के डेविड वॉर्नर

बाकी कप्तानों को 'स्कूली बच्चा' बताया

आज यानी 26 मार्च से पाकिस्तान सुपर लीग का आयोजन हो रहा है। तेल संकट के कारण स्टेडियम में एक भी दर्शक नहीं होगा। वहीं ये टूर्नामेंट महज दो वेन्यू पर ही खेले जाएंगे। इसके साथ ही ईरान-इजरायल युद्ध के कारण से पैदा हुआ तेल संकट का मुद्दा अलग है लेकिन पीएसएल लगातार नाकारात्मक खबरों के कारण चर्चा में है। कुछ खिलाड़ियों ने पीएसएल से करार को ठेंगा दिखाकर आईपीएल का रुख किया है। इस बीच टूर्नामेंट का आगाज होने से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। उसमें कप्तानों की बचकाना हकरतों पर डेविड वॉर्नर भड़क गए और अन्य कप्तानों को स्कूली बच्चा बता दिया। बता दें कि, पीसी में जब डेविड वॉर्नर बोल रहे थे तभी अन्य टीमों के कप्तान आपस में ही गपशप करते दिखे और न जाने किस बात पर हंस रहे थे। कप्तानों का इस तरह का रवैया वॉर्नर को बिलकुल भी अच्छा नहीं लगा। सवाल का जवाब देते-देते वह अचानक रुक गए। कहा कि क्या गड़बड़ है? सॉरी जेंटलमेन, हमें यहां स्कूल बच्चे मिले हैं। डेविड वॉर्नर पीएसएल की टीम कराची किंग्स के कप्तान हैं। बुधवार को प्री-टूर्नामेंट

कैप्टन्स प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई थी। उसमें वॉर्नर के अलावा लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, रावलपिंडिज के कप्तान मोहम्मद रिजवान, पेशावर जल्मी के बाबर आजम, क्वेटा ग्लेडिएटर्स के सौद शकील और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुसेन मौजूद थे। पीएसएल लगातार नाकारात्मक खबरों के कारण चर्चा में है। कुछ खिलाड़ियों ने पीएसएल से करार को ठेंगा दिखाकर आईपीएल का रुख किया है। इस बीच टूर्नामेंट का आगाज होने से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई।

अर्जुन तेंदुलकर को लेकर IPL 2026 से पहले विवाद

आईपीएल 2026 से पहले अर्जुन तेंदुलकर को लेकर बड़ी बहस छिड़ गई है। लखनऊ सुपर जाएंट्स में शामिल होने के बाद उनके खेलने की संभावनाओं पर सवाल उठे, जिस पर अब युवराज सिंह के पिता और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अर्जुन तेंदुलकर को लखनऊ सुपर जाएंट्स की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि टीम में पहले से ही मयंक यादव, मोहसिन खान, आवेश खान और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज मौजूद हैं, ऐसे में अर्जुन के लिए मौका बनाना कठिन होगा। अश्विन ने कहा, 'जब तक ज्यादा से ज्यादा गेंदबाज चोटिल नहीं होते, अर्जुन खेलते हुए नहीं दिख रहे हैं।' अश्विन के इस बयान पर पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह भड़क गए। योगराज ने इनसाइड स्पोर्ट्स से बात करते हुए अश्विन पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा, 'वह बेकार की बातें कर रहे हैं। यह अश्विन कौन होते हैं? किसी के बारे में क्या बोलना चाहिए, यह उन्हें समझना चाहिए। टीवी पर बैठकर कोई यह कहे कि वह यह नहीं कर सकता, वह नहीं कर सकता...अरे तुम होते कौन हो बोलने वाले?' योगराज सिंह, जो पहले अर्जुन को ट्रेनिंग दे चुके हैं, मानते हैं कि उन्हें गलत तरीके से एक गेंदबाज के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अर्जुन की बल्लेबाजी क्षमता काफी मजबूत है और अगर सही मार्गदर्शन मिले तो वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर बन सकते हैं। योगराज ने कहा, 'जब क्रिकेटर इस तरह की बातें करते हैं तो यह सही नहीं है। वह सचिन तेंदुलकर के बेटे हैं, यह अलग बात है। जब वह मेरे पास थे, मैंने युवराज से कहा था कि आप लोग अर्जुन को लेकर गलत चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। वह सिर्फ गेंदबाज नहीं है। उसे स्पाइन की समस्या रही है और उसका एक्शन भी अलग है।

IPL 2026 की ओपनिंग सेरेमनी का नहीं होगा आयोजन

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट का पहला मैच गत चैंपियन टीम आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। हर बार आईपीएल सीजन की शुरुआत से पहले ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन होता है लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा। आईपीएल के 19वें सीजन के लिए बीसीसीआई ने ये फैसला लिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सीजन आरसीबी के पहली बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में 4 जून 2025 को हुई भगदड़ में 11 जाने चली गई थी। जिसे लेकर अब बीसीसीआई ने उस घटना में 11 पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी को रद्द करने का फैसला किया है। हालांकि, बीसीसीआई के पास प्लान बी भी तैयार है। ओपनिंग सेरेमनी की जगह इस बार भव्य क्लोजिंग सेरेमनी होगी। 28 मार्च को ओपनिंग सेरेमनी नहीं, लेकिन बीसीसीआई 31 मई को एक भव्य समापन समारोह आयोजित करने की योजना बना रही है। इस दौरान बीसीसीआई ने कहा कि, पिछले साल 4 जून को हुई दुखद घटना के कारण, आईपीएल 2026 के ओपनिंग डे पर कोई औपचारिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई 4 जू 2025 को हुई उस त्रासदी में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत में

कोई सांस्कृतिक या मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं कर रहा है। हालांकि, बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल क्लोजिंग सेरेमनी यानी फाइनल के दिन एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में नंबर 1 फिल्म बनने को तैयार

हर तरफ धुरंधर का जलवा

यूके में 'धुरंधर 2' ने भारतीय फिल्मों का सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन जुटाया है. सिर्फ ओपनिंग वीकेंड में ही यूके में 2 मिलियन पाउंड्स का बेंचमार्क पार करने वाली ये पहली भारतीय फिल्म है. जर्मनी में 'धुरंधर 2' ने सिर्फ 4 दिन के वीकेंड कलेक्शन से ही कई सबसे कमाऊ भारतीय फिल्मों को पीछे छोड़ दिया.

सुबोध मिश्रा, आजतक

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' का क्रेज इंडिया में इसे रिकॉर्डतोड़ ब्लॉकबस्टर बना रहा है. लेकिन सिर्फ घर में ही नहीं, विदेशों में भी दर्शक 'धुरंधर 2' के लिए क्रेजी हो चुके हैं. पहले 4 दिन में ही आदित्य धर की ये फिल्म ओवरसीज में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी थी. यूएस, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तो 'धुरंधर 2' ने सिर्फ वीकेंड की कमाई से कई बड़ी भारतीय फिल्मों का लाइफटाइम कलेक्शन पार कर डाला है.

आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर' ओवरसीज मार्केट में 2025 की सबसे कमाऊ बॉलीवुड फिल्म साबित हुई थी.

इसका ही असर है कि 'धुरंधर 2' के धमाके के लिए जमीन तैयार थी. अब 'धुरंधर 2' ओवरसीज मार्केट में पांव जमा रही है. कम से कम 5 देशों में 'धुरंधर 2' नंबर 1 भारतीय फिल्म बनने की तैयारी में है.

जर्मनी

'धुरंधर 2' जर्मनी में भारतीय फिल्मों के खाते का सबसे बड़ा वीकेंड कलेक्शन लेकर आई. अभी तक ये रिकॉर्ड शाहरुख खान की 'पठान' के नाम था, जिसने 583K यूरो का वीकेंड कलेक्शन किया था.

जर्मनी में भारतीय फिल्मों के टॉप 5 वीकेंड कलेक्शन देखें:

धुरंधर 2- 5.95 लाख यूरो (595K यूरो)

पठान- 5.83 लाख यूरो

एम्पुरान- 3.41 लाख यूरो

जवान- 3.25 लाख यूरो

इंकी- 2.76 लाख यूरो

जर्मनी में 'धुरंधर 2' ने सिर्फ 4 दिन के वीकेंड कलेक्शन से ही कई सबसे कमाऊ भारतीय फिल्मों को पीछे छोड़ दिया. वहां अब सिर्फ 'पठान' (8.90 लाख यूरो) और 'जवान' (6.89 लाख यूरो) का लाइफटाइम कलेक्शन ही 'धुरंधर 2' से ज्यादा है.

2. यूनाइटेड किंगडम (यूके)

यूके में 'धुरंधर 2' ने भारतीय फिल्मों का सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन जुटाया है. सिर्फ ओपनिंग वीकेंड में ही यूके में 2 मिलियन पाउंड्स का बेंचमार्क पार करने वाली ये पहली भारतीय फिल्म है.

सस्पेंस बढ़ाने वाले कौन हैं 'शिरानी बलोच'

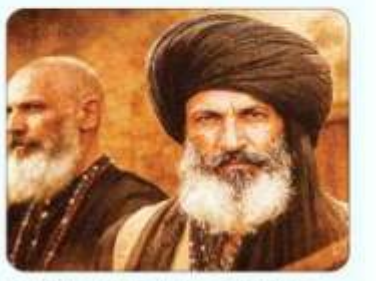

स्पाई-एक्शन फिल्म धुरंधर: द रिवेंज इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने पूरी कास्ट को स्टार बना दिया है. फिल्म में जहां रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे बड़े सितारे नजर आते हैं, वहीं कुछ साइड किरदार भी ऐसे हैं जिन्होंने कहानी को और मजबूत बना दिया. इन्हीं में से एक है 'शिरानी अहमद बलोच' का किरदार, जिसे एक्टर-प्रोड्यूसर बिमल ओबेरॉय ने निभाया है.

जितने फॉलोअर्स, उतनी हाइट से गिराया खिलौना

फॉलोअर्स के लिए स्पेस स्टंट

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, वायरल वीडियो में दावा किया गया कि सिर्फ सात दिनों इतने ज्यादा फॉलोअर्स हो गए कि खिलौने को गिराने की ऊंचाई बुर्ज खफीफा जितनी पहुंच गई. आठवें दिन एमी को गिराने के लिए इसे स्पेस में भेजने की प्लानिंग की गई.

वायरल ट्रेंड के लिए खिलौने को स्पेस भेजा (Photo - Instagram/@emyadventure1)

इंटरनेट पर एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें एक सॉफ्ट टॉय को हर दिन थोड़ी-थोड़ी ऊंचाई से गिराने का वीडियो शेयर किया जा रहा है. पहले दिन जब वीडियो शेयर किया गया तो इसे सिर्फ 1 मिलीमीटर की ऊंचाई से गिराया गया.

इसके बाद जैसे जैसे फॉलोवर्स बढ़ते गए, हर एक नए फॉलोवर्स पर खिलौने को गिराने की ऊंचाई एक मिलीमीटर बढ़ा दी गई. इस वायरल ट्रेंड में जिस खिलौने को ऊंचाई से गिराया जाता है. उसका नाम एमी है. एमी, एक रोएंदार, 9 औंस वजनी यानी करीब ढाई सौ ग्राम का पीले और हरे रंग का सॉफ्ट टॉय है.एमी को गिराने का ट्रेंड इंस्टाग्राम पर जब वायरल होने लगा तो इसके वीडियो पर जैसे जैसे फॉलोवर्स बढ़ते गए, इसे गिराने की ऊंचाई भी बढ़ती गई. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, वायरल वीडियो में दावा किया गया कि सिर्फ सात दिनों इतने ज्यादा फॉलोअर्स हो गए कि खिलौने को गिराने की ऊंचाई बुर्ज खफीफा जितनी पहुंच गई.

आठवें दिन एमी को गिराने के लिए इसे स्पेस में भेजने की प्लानिंग की गई, क्योंकि इसके फॉलोअर्स की संख्या काफी ज्यादा हो चुकी थी. इंस्टाग्राम के अनुसार, एमी के कारनामों को दर्शाने वाले इंस्टाग्राम पेज के 10 लाख से अधिक फॉलोअर्स हो चुके हैं और इसे 65 मिलियन से अधिक लोग देख चुके थे.

हाफ सीजफायर के बाद उड़ा ट्रंप का मजाक

अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच चल रही तनातनी अब सिर्फ जंग के मैदान तक सीमित नहीं रही. इसका असर सोशल मीडिया पर भी साफ दिखाई दे रहा है. खासकर ईरान समर्थक अकाउंट्स मीम्स और सटायर के जरिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार निशाना बना रहे हैं. कई बार ये पोस्ट ईरान के ऑफिशियल हैंडल्स से भी सामने आ रहे हैं, जिससे ये 'मीम वॉर' और दिलचस्प हो गई है.

'भूत बंगला' में आखिरी बार दिखेंगे असरानी

निधन के बाद रिलीज होगी दिग्गज अभिनेता की फिल्म

धुरंधर 2 की रिलीज को आज पूरा एक हफ्ता हो चुका है और अब फिल्म को लेकर मचा हल्ला अब थमने लगा है। धुरंधर 2 के बाद बॉलीवुड की अगली बड़ी फिल्म भूत बंगला होने वाली है जो 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। भूत बंगला में अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आएंगे। इसके साथ ही इस फिल्म में एक ऐसा भी एक्टर अपनी कॉमेडी का जलवा दिखाते नजर आएगा जो करीब 6 महीने पहले ही इस दुनिया को अलविदा कह चुका है। इतना ही नहीं अब तक 474 से ज्यादा फिल्मों में अपनी एक्टिंग की धाक जमा चुका ये एक्टर आखिरी बार पर्दे पर नजर आने वाला है। ये एक्टर कोई और नहीं बल्कि असरानी हैं जिनका 20 अक्तूबर 2025 को निधन हो गया था। बॉलीवुड में अपने समय के दिग्गज एक्टर रहे असरानी ने 84 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कहा था। लेकिन उनकी खास बात ये रही कि वे अपनी अंतिम सांस तक सिनेमा के प्रति जुनून को लेकर दीवाने रहे। असरानी ने साल 1958 में अपने करियर की शुरुआत की थी और आखिरी सांस तक काम करते रहे। अब उनकी आखिरी फिल्म भूत बंगला रिलीज के लिए तैयार है और 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनका दमदार किरदार रहने वाला है। इससे पहले भी असरानी ने प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में काम किया है। जिनमें से मालामाल वीकली एक ऐसी फिल्म है जो आज भी टीवी पर आती रहती है और लोगों का मनोरंजन करती है। असरानी ने अपने करियर में कुल 474 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और निधन के बाद भी उनकी फिल्में रिलीज हो रही हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल खोटा पैसा फिल्म से की थी और इसमें एक छोटा रोल निभाया था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और जिंदगी के आखिरी समय भी लोगों का मनोरंजन करते रहे। उनके करियर की बेहतरीन फिल्मों में शोले, वेलकम, चला मुरानी हीरो बनने और भूल भुलैया जैसी सैकड़ों फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है। अब असरानी की फिल्म भूत बंगला भी 10 अप्रैल को रिलीज के लिए तैयार है।

लखनऊ में पेट्रोल-डीजल को लेकर हंगामा

पंपों पर लंबी लाइनें, प्रशासन ने दी सफाई

लखनऊ में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाह से कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं और कुछ जगहों पर हंगामे की स्थिति बन गई।पॉलिटेक्निक और हजरतगंज समेत कई इलाकों में लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा, जबकि पुलिस को व्यवस्था संभालनी पड़ी।प्रशासन ने साफ किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है और लोगों से घबराने के बजाय जरूरत के अनुसार ही फ्यूल लेने की अपील की है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में पेट्रोल-डीजल को लेकर अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। शहर के इंदिरानगर, बादशाहनगर और पॉलिटेक्निक चौराहे समेत कई इलाकों में स्थित पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म होने की खबर से लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई जगहों पर हालात इतने बिगड़ गए कि लोगों और पंप कर्मचारियों के बीच नोकझोंक तक हो गई।पॉलिटेक्निक चौराहे पर स्थिति कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गई, जहां पेट्रोल-डीजल न मिलने से नाराज लोगों ने हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए लोगों को शांत कराया। इसके अलावा शहर के ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। कई पंपों पर "फ्यूल इन प्रोग्रेस" का बोर्ड लगाकर सप्लाई जारी होने की सूचना दी जा रही है।हजरतगंज स्थित तलवार पेट्रोल पंप पर लोगों को 3 घंटे से ज्यादा समय तक इंतजार करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद कई लोगों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिल सका। वहीं रंजन पेट्रोल पंप पर सुबह से ही भारी भीड़ जमा रही। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन कई पंपों पर पुलिस बल तैनात कर दिया है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न फैले।इस पूरे मामले पर एडीएम सप्लाई ज्योति गौतम ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि शहर में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि पर्याप्त मात्रा में ईंधन की आपूर्ति लगातार जारी है और कुछ जगहों पर केवल वितरण में देरी के कारण ऐसी स्थिति बनी है।उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि वे घबराहट में ज्यादा ईंधन न भरवाएं और केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल लें। साथ ही पंप संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वाहनों के अलावा किसी भी तरह के बड़े कंटेनर या टंकी में ईंधन न दें, ताकि जमाखोरी और अनावश्यक संकट से बचा जा सके।प्रशासन का कहना है कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और जल्द ही सभी पंपों पर स्थिति सामान्य हो जाएगी। फिलहाल अफवाहों के चलते लोगों में घबराहट जरूर देखी जा रही है, लेकिन अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि सप्लाई में कोई वास्तविक कमी नहीं है।

लखनऊ में शराब पार्टी के बाद युवक की हत्या

लखनऊ में टाइल्स कारीगर को दोस्तों ने मारने के बाद उसकी गर्दन से मांस निकाल लिया था। उसे शराब पार्टी के लिए बुलाया था। सबने जमीन पर पड़ी ईंटों पर बैठकर पार्टी की। जब युवक नशे में हो गया तो उसे दोस्तों ने मौत के घाट उतार दिया। उसकी गर्दन से किसी हथियार से मांस निकाल लिया। घटना चिनहट थानाक्षेत्र की मंगलवार रात की है। मृतक की पहचान चिनहट के कल्याणी बिहार कॉलोनी के रितेश सिंह के रूप में हुई थी। मां ने घटनास्थल पर रोते हुए बताया था- रितेश बिना बताए घूमने निकला था। अंतिम बार उसने फोन पर बात की थी। कहा था- निशातगंज में हूं। इसके बाद कॉल काट दिया। चिनहट के कल्याणी बिहार कॉलोनी के रहने वाला रितेश सिंह टाइल्स कारीगर था। मंगलवार शाम को वह घर से बिना बताए अपने दोस्तों के साथ घूमने निकला था। चिनहट के हरदासीखेड़ा स्थित मैदान में स्थानीय लोगों ने उसे घायल अवस्था में पड़ा देखा। रितेश के गले पर गहरा घाव था और खून निकल रहा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। 108 एंबुलेंस की मदद से रितेश को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता ने उसके दोस्त प्रियांशु गुप्ता के खिलाफ हत्या की शिकायत दी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रितेश की डेडबॉडी पर कई चोट के निशान मिले। युवक को पहले पीटा गया। उसके बाद हत्या कर दी गई। पुलिस की तीन टीमें नामजद आरोपी दोस्त प्रियांशु गुप्ता की तलाश में लगी थीं। दो दोस्तों अनस खान और आशु निषाद को घटना वाले दिन ही हिरासत में लिया गया था। रितेश के गले में काफी गहरे जख्म थे। गले का आधा हिस्सा कट चुका था, जो गायब भी था। ऐसा लग रहा था कि चापड़ जैसे धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया हो। गले पर कई बार वार किया गया। इस दौरान उसके गले से ज्यादातर मांस निकल गया। ज्यादा खून भी बहा।परिजनों का कहना है कि कोई एक आदमी रितेश को कंट्रोल नहीं कर सकता। आरोपियों ने योजना के तहत बुलाया है।

फर्जी मार्कशीट बनाने वाले दो सदस्य गिरफ्तार

नकली वेबसाइट बनाकर करते थे ठगी

लखनऊ में एसटीएफ ने फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास बड़ी संख्या में नकली मार्कशीट, मोहर और उपकरण मिले। एसटीएफ ने फर्जी शैक्षिक दस्तावेज तैयार करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में शशि प्रकाश राय उर्फ राजन शर्मा उर्फ शनि और मनीष कुमार राय शामिल हैं।

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपियों के पास से 217 फर्जी मार्कशीट, सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन व माइग्रेशन प्रमाणपत्र बरामद हुए हैं। इसके अलावा 42 फर्जी मोहर, पांच सीपीयू, दो पेन ड्राइव, 14 मोबाइल फोन, 10 रजिस्टर और एक यूपीआई क्यूआर स्कैनर भी मिला है। जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह ने माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट तैयार कर रखी थी। इन वेबसाइटों पर कूटरचित मार्कशीट का रिजल्ट अपलोड किया जाता था, जिससे लोग रोल नंबर डालकर उसे असली समझ लेते थे। पूछताछ में मुख्य आरोपी शशि प्रकाश राय ने बताया कि उसने दिल्ली से बीएससी की पढ़ाई की है और लंबे समय से इस अवैध कारोबार में सक्रिय है। वर्ष 2022 में जौनपुर में कॉल सेंटर खोलकर सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क किया जाता था। इसके बाद मनीष कुमार राय फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। गिरोह प्रति दस्तावेज 15 से 20 हजार रुपये तक वसूलता था और तैयार प्रमाणपत्र कुरियर के जरिए भेजे जाते थे। आरोपियों ने अब तक 6 से 7 हजार से अधिक फर्जी दस्तावेज तैयार करने की बात कबूल की है।इस मामले में प्रयागराज के साइबर थाने में पहले से मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

अखिलेश यादव बोले- यूपी में एलपीजी का मतलब लापता गैस

यूपी में एलपीजी की किल्लत को लेकर गैस एजेंसियों के सामने लगी लंबी लाइनों को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों को लाइनों में लगाने के अलावा किया ही क्या है। अब मैं देख रहा हूं कि लोग पेट्रोल के लिए भी लाइनों में लगे हुए हैं। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने एलपीजी संकट को लेकर कुछ भी तैयारी नहीं की। अब तो 14 किलो का सिलिंडर भी 10 किलो का आ रहा लेकिन उससे भी ज्यादा ली जा रही है। यूपी में एलपीजी का मतलब लापता गैस है। गैस न मिलने से लोगों को खाना बनाने के लिए गैस और चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक कचौरी एक समोसा अब गैस पर न रहा भरोसा। सुना है कोयले पर चाय और रोटी अच्छी बनती है। कई लोग स्मोक्ड फूड पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने संसद में कोरोना का जिक्र किया है तो उनके पास जानकारी होगी। पड़ोसी देशों ने एनर्जी सेविंग के

लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जब तक भाजपा रहेगी देश को आत्मनिर्भर नहीं बनने देगी। उन्होंने यूपी सरकार के दिए गए बयान कि गैस की कोई कमी नहीं है पर कहा कि योगी की बातों में न आएं उनकी चलाचली की बेला है। वो योगी नहीं हैं। उन्होंने शंकराचार्य का अपमान किया है उनसे सावधान रहें। अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में सपा की सरकार आने पर हम गोमती रिवर फ्रंट पर सम्राट अशोक की भव्य प्रतिमा लगाकर उन्हें सोने के सिंघासन पर प्रतिष्ठित कराएंगे। उन्होंने बौद्ध धर्म को देश-विदेश में पहुंचाया।

दिग्विजय सिंह बोले- रामनवमी पर अयोध्या आना मेरा सौभाग्य, रामलला के दर्शन-पूजन किया

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने रामलला के दर्शन-पूजन किया। इस मौके पर कहा कि रामनवमी पर अयोध्या आना मेरा सौभाग्य है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता व मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह रामनवमी के अवसर पर रामनगरी अयोध्या पहुंचे। यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने राम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन-पूजन किया। साथ ही हनुमानगढ़ी में भी माथा टेका। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। दिग्विजय सिंह ने कहा कि रामनवमी पर अयोध्या आना उनका सौभाग्य है। हमने देशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। राम मंदिर विरोध के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण में 1,11,000 रुपये का सहयोग दिया। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों (अमेरिका-ईरान तनाव, पेट्रोल-डीजल) पर टिप्पणी से इनकार किया। कहा कि धार्मिक यात्रा पर हूं। आज राजनीति की कोई बात नहीं।

लखनऊ 58वां सबसे प्रदूषित शहर

WHO मानक से 10 गुना ज्यादा PM 2.5, स्वास्थ्य पर बड़ा खतरा

लखनऊ दुनिया का 58वां सबसे प्रदूषित शहर हो गया है। यहां का पार्टिकुलेट मैटर (PM) 2.5 का औसत 54.2 $\mu g/m^3$ (माइक्रोग्राम घन प्रतिमीटर) दर्ज हुआ है। PM 2.5 का मतलब है- 2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले कितने धूलकण एक घनमीटर हवा में मौजूद हैं। ये कण उड़ती धूल, वाहनों के धुएं, निर्माण और टूटे घरों के मलबे में रहते हैं। स्विट्जरलैंड की संस्था आईक्यूएयर (IQAir) ने 2025 के आंकड़े जारी किए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के सबसे प्रदूषित 100 शहरों में 64 भारत के हैं। इनमें भी यूपी के 11 शहर शामिल हैं। गाजियाबाद का लोनी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में शामिल हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखने की नसीहत दी है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, पार्टिकुलेट मैटर (PM) 2.5 का सुरक्षित वार्षिक औसत स्तर 5 माइक्रोग्राम घन प्रतिमीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इससे अधिक होने पर श्वसन और हृदय संबंधी गंभीर बीमारियां होने लगती हैं। आईक्यू एयर (IQAIR) के डेटा में उत्तर प्रदेश के शहरों का सालाना PM 2.5 का औसत 10 गुना से ज्यादा है। इस स्थिति में स्वास्थ्य का जोखिम होने लगता है। रिपोर्ट में 143 देशों और क्षेत्रों के 9,446 शहरों का डेटा शामिल है, जो 40,000 से ज्यादा मॉनिटरिंग स्टेशनों और सेंसरों से लिया गया है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि बच्चों पर वायु प्रदूषण का असर जीवनभर रहता है। जीवन के शुरुआती साल में फेफड़ों को पहुंचा नुकसान पूरी जिंदगी असर डालता है। 2025 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट में पहली बार एयर पॉल्यूटेंट्स को टॉप-टियर ग्लोबल रिस्क माना गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों (हृदय रोग, स्ट्रोक, कैंसर) का बड़ा कारण बताया। विश्व स्वास्थ्य सभा ने 2040 तक वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों को आधा करने का रोडमैप भी मंजूर किया है।

देवारा खुर्द में दो मशीनें सीज
उन्नाव में अवैध खनन पर प्रशासन का शिकंजा

उन्नाव जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। गंगाघाट क्षेत्र के देवारा खुर्द में शिकायत मिलने पर दो मशीनें सीज की गईं। अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार अवैध खनन को संवेदनशील मुद्दा मानते हुए लगातार निगरानी की जा रही है और दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी। एडीएम सुशील कुमार ने बताया कि जिले में अवैध खनन रोकने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें सभी एसडीएम, संबंधित पुलिस क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और खनन विभाग की टीमें शामिल हैं।अधिकारियों के बीच समन्वय के लिए एक ग्रुप भी बनाया गया है, जिसके माध्यम से नियमित जांच और सूचना साझा की जाती है ताकि अवैध खनन रोका जा सके। उन्होंने बताया कि गंगा घाट के देवारा क्षेत्र में खनन की अनुमति केवल निर्धारित कार्य (डेंजरूप) के लिए थी। हालांकि, रॉयल्टी की अनुमति न होने के बावजूद मिट्टी बाहर बेची जा रही थी। शिकायत मिलने पर खनन अधिकारी ने रात में मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और एक पोकलैंड तथा एक जेसीबी मशीन को सीज कर दिया।एडीएम ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जा रहा है और यह प्रशासन की दैनिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रशासन का प्रयास है कि टीमों को और अधिक सक्रिय किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी शिकायतें सामने न आएं। जब उनसे पूछा गया कि जिस व्यक्ति द्वारा खनन कराया जा रहा था, उस पर पहले भी जुर्माना लग चुका है और उसे ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है, तो एडीएम ने कहा कि यदि ब्लैकलिस्ट होने के बाद भी अवैध खनन किया गया है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इसके साथ ही प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन और तकनीकी निगरानी को और मजबूत किया जाएगा, जिससे रात के समय होने वाली गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन पर कुछ हद तक रोक लगेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौतससुराल जाते वक्त टूटा परिवार पर दुखों का पहाड़

उन्नाव में एक सड़क हादसे में बाइक सवार मजदूर की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब वह अपने ससुराल जा रहे थे। घायल अवस्था में युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान भगवंत नगर, उचगांव बक्सर रोड निवासी विजय कुमार (40) के रूप में हुई है। विजय मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वर्ष 2018 में उनकी शादी हुई थी और उनके दो छोटे बच्चे हैं, जिनकी जिम्मेदारी अब परिवार पर आ गई है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायल विजय कुमार को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी और उपचार के दौरान ही उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, विजय कुमार बाइक से अपने ससुराल जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद विजय कुमार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है और ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है। बताया गया है कि चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने कहा कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में मंदिर की मूर्ति खंडित
पुलिस ने नई मूर्ति कराई स्थापित

उन्नाव जिले के दही थाना क्षेत्र के इब्राहिमबाग गांव में मंगलवार रात एक मंदिर में स्थापित मां वैष्णो की मूर्ति को शरारती तत्वों द्वारा खंडित कर सड़क पर फेंक देने का मामला सामने आया है। बुधवार सुबह जब श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर पहुंचे, तो मूर्ति गायब देखकर उनमें आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और घटना पर नाराजगी जताने लगे।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। पुलिस ने खंडित मूर्ति को बरामद कर गंगा में विधि-विधान के साथ विसर्जित कराया। इसके बाद कानपुर से नई मूर्ति मंगाकर मंदिर में स्थापित कराई गई, जिससे स्थिति को शांत किया जा सका।जानकारी के अनुसार, इब्राहिमबाग निवासी रामचरन प्रजापति ने करीब 15 साल पहले अपने घर के पास एक छोटा मंदिर बनवाकर उसमें मां वैष्णो की मूर्ति स्थापित की थी। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने नवरात्र के दौरान माहौल खराब करने की नीयत से इस घटना को अंजाम दिया। इसको लेकर लोगों में खासा रोष है।ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत स्थानीय विधायक से भी की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, गांव में यह चर्चा भी रही कि पुलिस ने जल्दबाजी में नई मूर्ति की स्थापना करा दी और विधिवत प्राण प्रतिष्ठा नहीं कराई गई, जिससे कुछ लोग असंतुष्ट नजर आए।दही थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि रामचरन प्रजापति की तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस की मिशन शक्ति जागरूकता रैली
महिलाओं को दी सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता की जानकारी

उन्नाव में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली थाना कोतवाली सदर क्षेत्र में आयोजित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देश पर कई थानों की संयुक्त पुलिस टीम ने इसमें भाग लिया और शहरभर में जन जागरूकता अभियान चलाया। रैली में थाना कोतवाली सदर, गंगाघाट, दही, महिला थाना, अचलगंज और माखी के मिशन शक्ति केंद्र की संयुक्त टीम शामिल थी। सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव ने स्कूटी और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर और परिवार परामर्श समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। रैली में शामिल महिला पुलिसकर्मियों ने कोतवाली सदर क्षेत्र के प्रमुख मार्गों और बाजारों का भ्रमण किया। उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीम ने महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला और उन्हें समाज में सम्मानपूर्वक तथा सुरक्षित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।अभियान के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर रुककर आमजन को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें 1090 (महिला पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) और 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) शामिल थे। इन नंबरों के बारे में पंपलेट भी वितरित किए गए। टीम ने बताया कि उत्पीड़न, हिंसा या आपात स्थिति में इन नंबरों पर तुरंत संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

तीन घरों में वारदात, सीसीटीवी में संदिग्ध बाइक कैद

कोतवाली क्षेत्र के गांव बेहटाभवानी और ओसिया गांव में सेवानिवृत्त बीडीओ और सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर सहित तीन घरों में हुई 23.50 लाख की चोरी की घटना में दो टीमें खुलासे में लगाई गई हैं। जांच में जुटी टीम के सदस्यों ने सीसीटीवी खंगाले। इसमें घटना के समय एक बाइक आते और कुछ देर बाद जाते दिखी है लेकिन नंबर साफ न होने से पुलिस को दिक्कत आ रही है। बेहटाभवानी निवासी सेवानिवृत्त बीडीओ बेनी माधव चौधरी, सेवानिवृत्त सूबेदार रामबिलास चौधरी और ओसियां के अमित कुमार के यहां हुई चोरी के मामले में सीओ मधुपनाथ मिश्र ने खुलासे के लिए कोतवाल राजपाल और इंदेमऊ चौकी इंचार्ज राजेश कुमार की टीम को खुलासे में लगाया है। चौकी इंचार्ज राजेश कुमार ने बताया कि जांच चल रही है। गांव के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक करने के साथ बेहटाभवानी और गढ़ाकोला मार्ग की ओर जाने वाली सड़क के किनारे दोनों ओर की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गए हैं। घटना से पहले एक बाइक आते दिखी है। फिर कुछ देर बाद जाते नजर आई है, जांच की जा रही है। कोतवाल राजपाल ने बताया कि खुलासे के लिए घटना वाले दिन रात में आने-जाने वाले वाहनों की गतिविधियां देखी जा रही हैं। बीटीएस के माध्यम से चोरी की रात सक्रिय मोबाइल नंबरों की भी जांच की जा रही है।

गैर हाजिर हुए सिपाहियों को दूसरे थानों में भेजा गया

उन्नाव में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने बड़े स्तर पर पुलिसकर्मियों के तबादले किए हैं। एक आदेश के तहत, कुल 24 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से विभिन्न थानों और इकाइयों में स्थानांतरित किया गया है। सभी संबंधित कर्मचारियों को नई तैनाती स्थल पर तुरंत कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश में बताया गया कि यह स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकताओं और कार्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। इस सूची में कई कांस्टेबल और महिला कांस्टेबलों को शामिल किया गया है, जिन्हें अलग-अलग थानों से हटाकर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी सूची के अनुसार, कांस्टेबल गौरव पाल को थाना दही से थाना बिहार, आयुष्मान यादव को थाना बांगरमऊ से थाना बिहार और कुलदीप को पुलिस लाइन से थाना बिहार भेजा गया है। इसी तरह, महिला कांस्टेबल दीपिका शुक्ला को न्यायालय सुरक्षा से थाना बीघापुर और महिला कांस्टेबल आशा को आरओआईपी से थाना अचलगंज स्थानांतरित किया गया है। अन्य तबादलों में, नरेश कुमारी को थाना मौरावां से थाना अजगैन, सचिन कुमार को थाना अजगैन से थाना मौरावां, कपिल मनी को थाना बेहटा मुजावर से थाना मौरावां और नवीन कुमार को थाना मौरावां से थाना बेहटा मुजावर भेजा गया है।

200 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा

एसटीएफ ने अंतरराज्यीय गिरोह के अहम सदस्य को दबोचा

उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने फर्जी फर्मों के जरिए करीब 200 करोड़ की जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। गुजरात से एक आरोपी गिरफ्तार हुआ।

टीवी भारतवर्ष यूपी

स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) उत्तर प्रदेश ने फर्जी फर्मों के जरिए करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके एक अहम सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरोह पर करीब 200 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद अल्ताफ सोजतवाला पुत्र मुश्ताक भाई सोजतवाला, अहमदाबाद (गुजरात) का निवासी है। उसे 26 मार्च की रात गायकवाड़ हवेली थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, पेन ड्राइव और नकदी बरामद हुई है, जिनसे बड़े नेटवर्क के संचालन के संकेत मिले हैं।जांच में सामने आया कि आरोपी अपने साथियों, जिनमें चार्टर्ड अकाउंटेंट आकाश पीयूष सोनी समेत अन्य शामिल हैं, के साथ मिलकर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फर्जी फर्मों का पंजीकरण कराता था। इन फर्मों के जरिए फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल तैयार कर वास्तविक कारोबारियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) उपलब्ध कराया जाता था, जिससे बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की जाती थी। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि गिरोह लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके पहचान पत्र और दस्तावेज हासिल करता था। इन दस्तावेजों के आधार पर फर्जी कंपनियां खोलकर बैंक खातों के माध्यम से लेनदेन दिखाया जाता और बाद में रकम को नकद या अन्य माध्यमों से वापस कर दिया जाता था। एसटीएफ के अनुसार, यह गिरोह गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में सक्रिय था। अलीगढ़ में दर्ज एक मुकदमे की जांच के दौरान इस नेटवर्क का खुलासा हुआ, जिसके बाद एसटीएफ को कार्रवाई के लिए लगाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर संबंधित न्यायालय में पेश किया जाएगा। साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश तेज कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई जारी रहेगी। गिरोह फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल बनाकर टैक्स चोरी करता था। कई राज्यों में फैले नेटवर्क की जांच और कार्रवाई जारी है।

सुल्तानपुर में ऑपरेशन के बाद मरीज की मौत

टीवी भारतवर्ष, नोएडा

उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर- 24 स्थित E S I C अस्पताल में एक मरीज के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। कैंसर से जूझ रहे मरीज ने अस्पताल की 5वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 47 वर्षीय मुकेश कुमार के रूप में हुई है, जो नोएडा के भंगेल इलाके का रहना वाला था। मुकेश पिछले काफी समय से मुंह के कैंसर से पीड़ित था और इसी बीमारी के चलते भारी तनाव में था। मिली जानकारी के अनुसार, मुकेश को इलाज के लिए 9 मार्च को ESIC अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी देखभाल के लिए उसकी पत्नी भी अस्पताल में ही साथ रह रही थी। गुरुवार सुबह मुकेश ने 5वीं मंजिल पर सीढ़ियों के पास स्थित एक खिड़की को खोला और नीचे छलांग लगा दी। ऊंचाई से गिरने के कारण मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जांच के मुताबिक, मुकेश अपने कैंसर के इलाज के कारण काफी परेशान था। बताया जा रहा है कि इसी मानसिक तनाव और शारीरिक पीड़ा के कारण उसने यह खौफनाक कदम उठाया। जब यह घटना हुई, उस समय अस्पताल में मरीजों और स्टाफ की आवाजाही थी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-24 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आरोपी आशीष चौहान को घेरकर मार डाला

गांव में सनसनी

टीवी भारतवर्ष,जौनपुर

जौनपुर जिले के जलालपुर इलाके में मर्डर केस में आरोपी एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान आशीष उर्फ चिघडू चौहान के रूप में हुई। आशीष संघईपुर गांव का रहने वाला था। आशीष बांदीपुर में एक दुकान के पास शराब खरीदने गया था, तभी चार युवक वहां पर पहुंचे और एक किलोमीटर तक पीछा कर चाकू से 25 बार वार किए। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने शव को 200 मीटर तक घसीटा। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कोई हाथ में डंडा लिए तो कोई मुंह बाधकर निडर होकर शव को घसीटते हुए गांव के बीच लेकर जा रहा है। आरोपियों ने बाइक पर शव ले जाकर गेहूं के खेत में फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार, दो साल पहले आशीष चौहान ने गांव के ही रोहित नामक युवक की हत्या कर दी थी। इसके बाद से रोहित के परिवार के लोग बदले की भावना में जल रहे थे। मौके पाकर बुधवार को वारदात को अंजाम दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने धनंजय चौहान, मनोज चौहान, राजू चौहान और अविनाश चौहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह घटना किसी पुरानी रंजिश से जुड़ी है। आशीष 23 सितंबर, 2024 को रोहित चौहान के मर्डर में आरोपी था। बताया जाता है कि यह मर्डर किसी रिश्ते से जुड़े एक निजी विवाद को लेकर हुआ था। वह करीब छह महीने पहले ही जेल से रिहा हुआ था।

गाजियाबाद में जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़

ई-रिक्शा चलाने वाली महिला समेत चार गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष,गाजियाबाद

देश की सुरक्षा से जुड़ी एक चौंकाने वाली साजिश का खुलासा हुआ है। गाजियाबाद पुलिस ने एक ऐसे जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जिसमें एक महिला मीरा प्रजापति उर्फ मीरा ठाकुर का नाम सामने आया है, जो दिखावे के लिए ई-रिक्शा चलाकर लोगों की नजरों से बचती रही। मीरा की गिरफ्तारी से परिवार और आसपास के लोग हैरान और परेशान हैं। गाजियाबाद के कौशांबी इलाके में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मीरा प्रजापति उर्फ मीरा ठाकुर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। आरोप है कि यह गिरोह देश के संवेदनशील स्थानों की जासूसी कर रहा था और वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने की साजिश में शामिल था। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि मीरा प्रजापति उर्फ मीरा ठाकुर मथुरा में एक आम महिला की तरह जिंदगी जी रही थी। वह ई-रिक्शा चलाकर खुद को सामान्य दिखाती थी, ताकि किसी को उस पर शक न हो। मीरा मथुरा के औरंगाबाद इलाके की रहने वाली है। उसने करीब 8 साल पहले महादेव कॉलोनी में मकान खरीदा था और तब से अपने परिवार से अलग रह रही थी। करीब 2 साल पहले उसका पति भी उसे छोड़कर अलग रहने लगा था। मीरा की दो बेटियां हैं- एक 10 साल की और दूसरी 4 साल की। परिवार और आस-पड़ोस के लोगों को भी उसकी गतिविधियों की कोई भनक नहीं थी।